अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : पाँचवीं - जैनागम स्तोक वारिधि (परीक्षा 06 जनवरी, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- 10x1 = (10)

(a) असन्नी खेचर की अवगाहना होती है-

(क) प्रत्येक योजन (ख) प्रत्येक धनुष

(ग) 1000 योजन (घ) 6 गाउ ( )

(b) वैक्रिय समुद्घात होती है-

(क) सूक्ष्म वायुकाय अपर्याप्त (ख) अप्काय

(ग) बादर वायुकाय पर्याप्त (घ) पृथ्वीकाय ( )

(c) चन्द्र विमान वासी देवों की जघन्य स्थिति होती है-

(क) पाव पल्योपम (ख) 10,000 वर्ष

(ग) करोड़ पूर्व झाझेरी (घ) 22 सागरोपम ( )

(d) कौनसा जीव अन्तर्मुहूर्त में केवली हो जाता है-

(क) क्षायिक समकिती (ख) क्षपक श्रेणी

(ग) उपशम श्रेणी (घ) अवधिज्ञानी ( )

(e) अनुभूति में आने वाला उदय है-

(क) प्रदेश उदय (ख) विपाक उदय

(ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं ( )

(f) कौनसे गुणस्थान से जीव उपशमक व क्षपक कहलाते हैं-

(क) 9वें (ख) 10वें

(ग) 11वें (घ) 12वें ( )

(g) 8 द्रव्येन्द्रिय का थोकड़ा कौनसे आगम में आता है-

(क) पन्नवणा-15 (ख) पन्नवणा पद-12

(ग) भगवती सूत्र (घ) उववाइय सूत्र ( )

(h) वर्तमान को कहते हैं-

(क) बद्धेल्लगा (ख) पुरेक्खड़ा

(ग) अतीत (घ) सभी ( )

(i) कषाय आत्मा में कितनी आत्मा की नियमा होती है-

(क) 2 (ख) 5

(ग) 3 (घ) 4 ( )

(j) सबसे अधिक कौनसी आत्मा वाले जीव हैं-

(क) द्रव्य आत्मा (ख) कषाय आत्मा

(ग) चारित्र आत्मा (घ) वीर्य आत्मा ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) करोड़ पूर्व झाझेरी की स्थिति वाला तिर्यंच पंचेन्द्रिय वैक्रिय लब्धि का प्रयोग कर सकता है। ( )

(b) सन्नी मनुष्य समुद्घात सहित मरण से ही मरते हैं। ( )

(c) हेमवत की स्थिति 1 पल्योपम की होती है। ( )

(d) सैद्धान्तिक मतानुसार अनादि मिथ्यादृष्टि जीव क्षयोपशम समकित ही प्राप्त करता है। ( )

(e) उपशम श्रेणी वाला 8 से 11 गुणस्थान में चढ़ते हुए काल कर सकता है। ( )

(f) तीर्थंकर श्रावक के व्रत ग्रहण नहीं करते हैं। ( )

(g) वनस्पतिकाय में द्रव्येन्द्रियाँ वर्तमान की अपेक्षा अनन्त होती हैं। ( )

(h) चार अनुत्तर विमान में रहा जीव पुनः चार अनुत्तर विमान में अधिकतम दो बार जा सकता है। ( )

(i) विराधक श्रावक काल करके अधिकतम ज्योतिषी में उत्पन्न हो सकते हैं। ( )

(j) जो चारित्र परिणाम से अशून्य हो, वह संयत कहलाता है। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1 = (10)**

(a)	चमरेन्द्र जी	(क)क्षायिक व पारिणामिक	.....
(b)	बलीन्द्र जी	(ख) दक्षिण दिशा अधोलोक	.....
(c)	बेइन्द्रिय	(ग) 13वाँ गुणस्थान	.....
(d)	सिद्ध	(घ) आराधक	.....
(e)	अमर	(च) उत्तर दिशा अधोलोक	.....
(f)	अनाहारक	(छ) 6 द्रव्येन्द्रियाँ	.....
(g)	आभियोगिक साधु	(ज) 12 योजन	.....
(h)	ज्ञान आत्मा	(झ) 12वाँ गुणस्थान	.....
(i)	चौरेन्द्रिय	(य) दूसरा, चौथा से चौदहवाँ गुण.	.....
(j)	अप्रमत्त अवस्था में काल करने वाला	(र) भवनपति	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मुझमें द्रव्य प्राण नहीं पाये जाते। .....

(b) मैं गुणस्थान स्वरूप के थोकड़े का 21वें नम्बर का द्वार हूँ। .....

(c) मेरा निरोध कर जीव चौदहवें गुणस्थान में जाता है। .....

(d) मुझमें अनादि अनन्त भंग पाया जाता है। .....

(e) मैं अशुभ प्रकृतियों के अनुभाग को प्रतिसमय अनन्त गुणहीन करने वाली लब्धि हूँ। .....

(f) मैं सम्यक् दृष्टि के गुणस्थानों में व सिद्धों में ही मिलती हूँ। .....

(g) मेरी आत्मा वाले जीव सबसे थोड़े हैं। .....

(h) मुझमें 4 आत्मा की नियमा व 3 आत्मा की भजना है। .....

(i) मैं कषाय रहित चारित्र हूँ। .....

(j) मैं मिथ्यादृष्टि होकर भी ग्रैवेयक में उत्पन्न हो सकता हूँ। .....

प्र.5 एक या दो वाक्यों में उत्तर दीजिए- **12x2 = (24)**

(a) तीन विकलेन्द्रिय में पाये जाने वाले शरीर के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(b) चौथी, पाँचवी नारकी की स्थिति लिखिए।

.....

.....

.....

(c) च्यवन को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

.....

(d) प्रथम गुणस्थान का जघन्य-उत्कृष्ट अन्तर लिखिए।

.....

.....

.....

(e) 'स्थिति घात' को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

.....

(f) पाँचवें व नवमें गुणस्थान की आगति मार्गणा लिखिए।

.....

.....

.....

(g) धर्मध्यान में गुणस्थानों को स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

(h) एकेन्द्रिय से लेकर पंचेन्द्रिय तक के जीवों में वर्तमान भव की अपेक्षा से द्रव्येन्द्रियाँ लिखिए।

.....

.....

.....

(i) दर्शन आत्मा में नियमा-भजना लिखिए।

.....

.....

.....

(j) लब्धि वीर्य को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

.....

(k) असंयत भव्य-द्रव्य-देवों का थोकड़ा कौनसे शास्त्र के कौनसे शतक उद्देशक से लिया गया है ?

.....

.....

.....

(l) आजीविक मत को मानने वाले साधु मर कर कहाँ उत्पन्न होते हैं ?

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में लिखिए : - **12x3 = (36)**

(a) संस्थान की परिभाषा तथा उसके भेदों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(b) पहले देवलोक की देवियों की जघन्य-उत्कृष्ट स्थिति लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(c) असन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्कृष्ट अवगाहना लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(d) गुणस्थान स्वरूप के दण्डक द्वार को चौदह गुणस्थानों की अपेक्षा से लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(e) 13वें गुणस्थान में पाये जाने वाले 10 बोल लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(f) द्वितीयोपशम के भंग उनकी स्थिति तथा गुणस्थान सहित लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(g) प्रायोग्य लब्धि को स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(h) विसंयोजना का आशय स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(i) नरकादि दुर्गतियों में आराधक साधु-साध्वी जन्म-मरण नहीं करते। कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(j) वनस्पतिकाय में वर्तमान की अपेक्षा द्रव्येन्द्रियाँ असंख्यात क्यों मानीं ?स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(k) एक जीव की अपेक्षा 5 अनुत्तर विमान में तीनों कालों की अपेक्षा से द्रव्येन्द्रियाँ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(l) कौनसे जीव में भविष्य की अपेक्षा 8 द्रव्येन्द्रियाँ मिलती हैं ? स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....